69 वर्ष के हुए अनिल कपूर

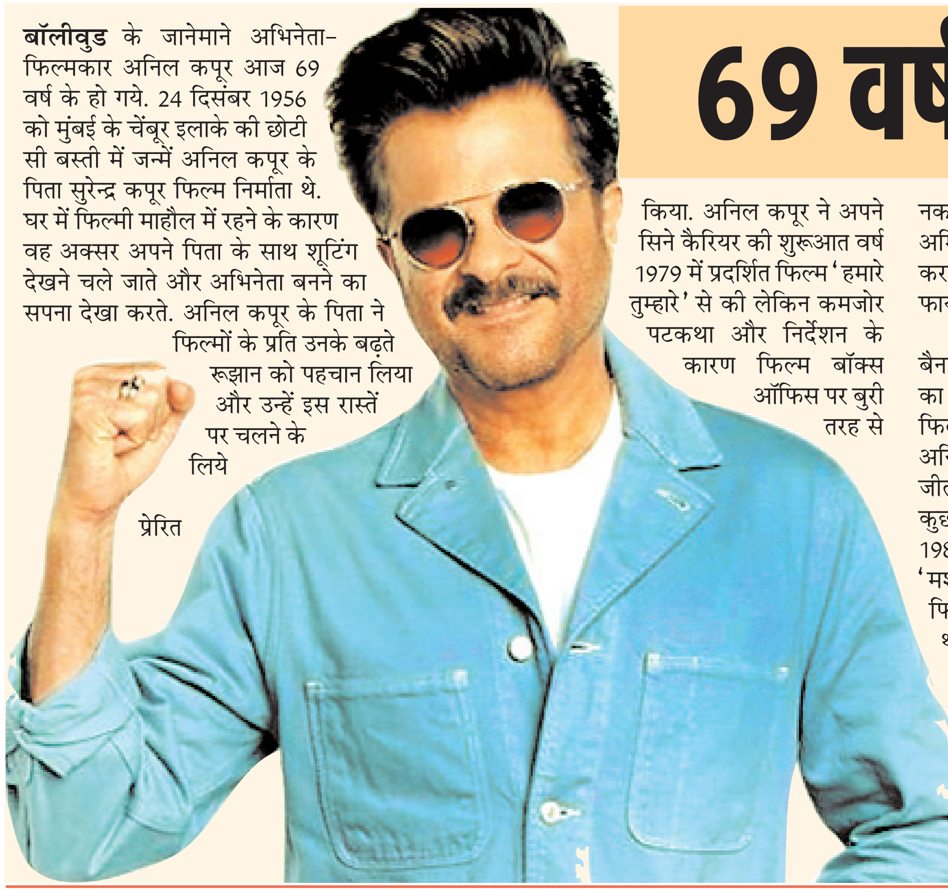

बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता-फिल्मकार अनिल कपूर आज 69 वर्ष के हो गये. 24 दिसंबर 1956 को मुंबई के चेंबूर इलाके की छोटी सी बस्ती में जन्में अनिल कपूर के पिता सुरेन्द्र कपूर फिल्म निर्माता थे. घर में फिल्मी माहौल में रहने के कारण वह अक्सर अपने पिता के साथ शूटिंग देखने चले जाते और अभिनेता बनने का सपना देखा करते. अनिल कपूर के पिता ने फिल्मों के प्रति उनके बढ़ते रूझान को पहचान लिया और उन्हें इस रास्तें पर चलने के लिये प्रेरित किया. अनिल कपूर ने अपने सिने कैरियर की शुरूआत वर्ष 1979 में प्रदर्शित फिल्म 'हमारे तुम्हारे' से की लेकिन कमजोर पटकथा और निर्देशन के कारण फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से नकार दी गयी. वर्ष 1982 में उन्हें दिलीप कुमार और अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म 'शक्ति' में काम करने का मौका मिला लेकिन इससे उन्हें कुछ खास फायदा नहीं पहुंचा.

वर्ष 1983 में अनिल कपूर को अपने पिता के बैनर तले बनी फिल्म 'वो सात दिन' में काम करने का अवसर मिला. इस फिल्म में उनके सामने कला फिल्मों के महारथी नसीरूदीन शाह थे लेकिन अनिल अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने में सफल रहे. फिल्म की सफलता के बाद वह कुछ हद तक अपनी पहचान बनाने में सफल रहे .वर्ष 1985 मे अनिल कपूर को यश चोपड़ा की फिल्म 'मशाल' में काम करने का अवसर मिला. यूं तो पूरी फिल्म अभिनेता दिलीप कुमार के इर्द गिर्द घूमती थी लेकिन अनिल कपूर ने फिल्म में अपनी छोटी सी भूमिका में दर्शकों का दिल जीत लिया. इस फिल्म में दमदार अभिनय के लिये उन्हें सहायक अभिनेता का फिल्म फेयर अवार्ड भी मिला.

वर्ष 1987 में प्रदर्शित फिल्म 'मिस्टर इंडिया' अनिल कपूर के सिने कैरियर की सबसे कामयाब फिल्म साबित हुयी. शेखर कपूर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अनिल कपूर ने एक ऐसे युवक की भूमिका निभायी जिसे एक चमत्कारी यंत्र मिल जाता है जिसके सहारे वह गायब हो सकता है. बाद में अपने देश को बर्बादी से बचाने के लिये वह खलनायक से मुकाबला करता है और उसे हराकर विजयी बनता है.वर्ष 1988 में अनिल कपूर के सिने कैरियर की एक और अहम फिल्म 'तेजाब' प्रदर्शित हुयी. एन चंद्रा के बैनर तले बनी इस फिल्म में अनिल कपूर ने एक सीधे सादे नौजवान की भूमिका निभायी जो देश और समाज के प्रति समर्पित है लेकिन समाज के फैले भ्रष्टाचार की वजह से वह लोगो की नजर में तेजाब बन जाता है जो सारे समाज को जलाकर खाक कर देना चाहता है. तेजाब और मिस्टर इंडिया जैसी फिल्मों की सफलता के बाद उनकी तुलना अमिताभ बच्चन से होने लगी. दुष्टो की मौत बनकर तूफान की तरह रूपहले पर्दे पर आने वाले अनिल कपूर ने न सिर्फ प्रतिशोध की भावना लिये किरदार निभाये. वहीं भावुक और हास्य अभिनय कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. वर्ष 1989 में अनिल कपूर की फिल्म 'ईश्वर' प्रदर्शित हुयी जिसमें दर्शकों को उनके अभिनय का नया रंग देखने को मिला.

सोनम बाजवा फिल्म 'बॉर्डर 2' में आएंगी नजर

पंजाबी फिल्मों की सुपरस्टार अभिनेत्री सोनम बाजवा वर्ष 2026 की शुरुआत फिल्म 'बॉर्डर 2' से करेंगी. वर्ष 2025 में पंजाबी फिल्मों की सुपरस्टार सोनम बाजवा ने हिंदी सिनेमा में कदम रखा. बॉलीवुड के अपने पहले ही साल में, अभिनेत्री तीन बड़ी फिल्मों का हिस्सा रहीं, जिसमें हाउसफुल 5, बागी 4 और एक दीवाने की दीवानियत के नाम शामिल हैं. अब वह इस कामयाबी को अगले साल भी जारी रखने के लिए तैयार हैं, जिसकी शुरुआत साल के पहले महीने में ही एक बड़ी रिलीज़ से होगी.

हाल ही में 'बॉर्डर 2' का टीज़र रिलीज़ किया गया है, जिसमें सोनम युद्ध पर आधारित इस ड्रामा फिल्म में दिलजीत दोसांझ के अपोजिट नज़र आएँगी. यह सोनम की चौथी हिंदी फिल्म है. सोनम ने अपनी सभी हिंदी फिल्मों में बड़े कलाकारों के साथ काम किया है, जो उनकी स्टार पॉवर को साबित करता है. जहाँ 2025 का अंत उनके लिए 'एक दीवाने की दीवानियत' के साथ शानदार रहा, वहीं 2026 की शुरुआत 'बॉर्डर 2' के साथ और भी बड़ी होने वाली है.

सोनम बाजवा ने 'बॉर्डर 2' के बारे में बात करते हुए कहा, 'निर्देशक अनुराग सिंह ने 'बॉर्डर 2' के लिए मुझसे संपर्क किया. हमारा काम का रिश्ता पहले से ही बहुत अच्छा है, क्योंकि हमने पहले भी साथ काम किया है. दिलचस्प बात यह है कि उन दोनों फिल्मों में भी दिलजीत मेरे साथ थे, इसलिए पंजाब में हमारा साथ काफी खास रहा है.'

सोनम बाजवा ने कहा, 'बॉर्डर 2 में, मैं 'मंजीत' नाम की एक पंजाबी लड़की का किरदार निभा रही हूँ, जो अंबाला की रहने वाली है और दिलजीत दोसांझ के किरदार (फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों) की पत्नी है. अनुराग ने मुझे बताया कि मंजीत के रोल के लिए सबसे पहले उनके दिमाग में मेरा ही नाम आया, जो मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी.

6 साल बाद ज़ी टीवी पर लौटीं निया शर्मा

जी टीवी साल 2026 का स्वागत 'जी रिश्तों का मेला' न्यू ईयर स्पेशल के साथ करने जा रहा है. यह वही खास परंपरा है, जिसने कभी त्यौहारों के समय जी टीवी को घर-घर की पसंद बनाया था. परिवार, रिश्तों और साथ बैठकर जश्न मनाने की सोच के साथ यह मेला नए साल को एक साझा उत्सव में बदल देता है, जहां दर्शक अपने परिवार के साथ बैठकर अपने फेवरेट सितारों, रंगारंग परफॉर्मेंस और दिल से जुड़े पलों के साथ नए साल की शुरुआत कर सकते हैं. इस खास जश्न को और भी खास बनाने आ रही हैं निया शर्मा, जो पूरे 6 साल बाद ज़ी टीवी पर वापसी कर रही हैं. न्यू ईयर के इस बड़े सेलिब्रेशन में निया की मौजूदगी दर्शकों के लिए किसी सरप्राइज़ से कम नहीं होगी. सालों बाद जी के मंच पर कदम रखते ही निया भावुक हो गई और उन्हें 'जमाई राजा' के शुरुआती दिन याद आ गए. अपने अनुभव को साझा करते हुए निया ने कहा, 'जी टीवी पर वापस आना मेरे लिए बहुत खास है.

एक नई नागिन ; एक नया युद्ध

नागिन कब आएगी?' इस सवाल ने पूरे देश को अपनी गिरफ्त में ले रखा था, जिसका जवाब अब मिल चुका है. तीन साल के लंबे इंतजार के बाद, भारत की सबसे प्रतिष्ठित फैंटेसी गाथा लौट आई है. जियोस्टार और एकता कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स 27 दिसंबर 2025 को 'नागिन 7' पेश कर रहे हैं. साल का अंत एक धमाकेदार अंदाज में करते हुए, 2025 का यह सबसे बड़ा फैंटेसी ड्रामा स्क्रीन पर दस्तक दे रहा है, जिसमें प्रियंका चाहर चौधरी टेलीविजन पर सबसे प्रतीक्षित वापसी कर रही हैं. सर्प रानी की पौराणिक विरासत को संभालते हुए, वह सिंहासन पर दावा पेश करेंगी और नागिन-वर्स को इसके अगले ऐतिहासिक अध्याय में ले जाएंगी.

एण्डटीवी के कलाकारों ने साझा कीं क्रिसमस की अपनी प्यारी यादें !

क्रिसमस आते ही घरों में रौनक बढ़ जाती है. रोशनी, सजावट और त्योहार का माहौल खुशियाँ, अपनापन और पुरानी यादें लेकर आता है. इस मौके पर एण्डटीवी के लोकप्रिय कलाकार अपने क्रिसमस सेलिब्रेशन के प्लान्स और स्कूल के दिनों की यादें साझा कर रहे हैं. इन कलाकारों में शामिल हैं-प्रियंवदा कांत ('घरवाली पेड़वाली' की लतिका), सोनल पंवार ('हप्पू की उलटन पलटन' की मलाइका) और विदिशा श्रीवास्तव ('भाबीजी घर पर हैं' की अनीता भाबी). प्रियंवदा कांत, जोकि 'घरवाली पेड़वाली' में लतिका का किरदार निभा रही हैं, कहती हैं, 'क्रिसमस मेरे लिए बहुत खास है. स्कूल के दिनों में हम क्लासरूम सजाते थे, हाथ से बने कार्ड्स देते थे और कैंटीन से प्लम केक खाने का मज़ा लेते थे.

पुलकित ने महाकालेश्वर मंदिर में की पूजा

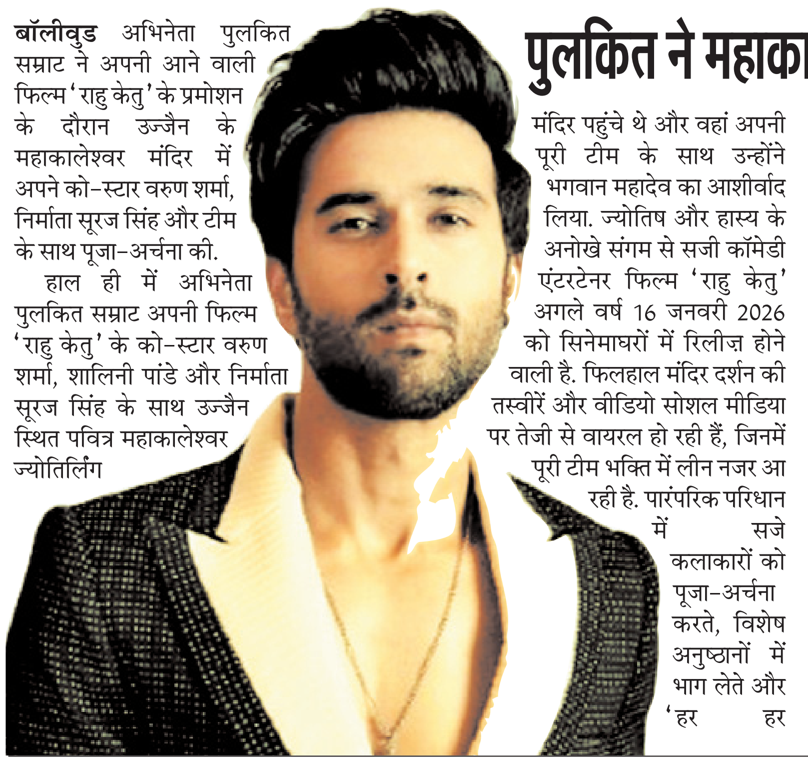

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट ने अपनी आने वाली फिल्म 'राहु केतु' के प्रमोशन के दौरान उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में अपने को-स्टार वरुण शर्मा, निर्माता सूरज सिंह और टीम के साथ पूजा-अर्चना की.

हाल ही में अभिनेता पुलकित सम्राट अपनी फिल्म 'राहु केतु' के को-स्टार वरुण शर्मा, शालिनी पांडे और निर्माता सूरज सिंह के साथ उज्जैन स्थित पवित्र महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर पहुंचे थे और वहां अपनी पूरी टीम के साथ उन्होंने भगवान महादेव का आशीर्वाद लिया. ज्योतिष और हास्य के अनोखे संगम से सजी कॉमेडी एंटरटेनर फिल्म 'राहु केतु' अगले वर्ष 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है. फिलहाल मंदिर दर्शन की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिनमें पूरी टीम भक्ति में लीन नजर आ रही है. पारंपरिक परिधान में सजे कलाकारों को पूजा-अर्चना करते, विशेष अनुष्ठानों में भाग लेते और 'हर हर महादेव' के जयकारे लगाते देखा जा रहा है. साथ ही मंदिर का आध्यात्मिक और दिव्य वातावरण फिल्म की यात्रा में एक सकारात्मक ऊर्जा जोड़ रहा है. ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन मजबूत दोस्ती के लिए मशहूर पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा पूजा के बीच हल्के-फुल्के पल साझा करते भी नजर आए, जो उनकी शानदार केमिस्ट्री को दर्शाता है. वहीं शालिनी पांडे पूरे मनोयोग और शांति के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल रहीं.

निर्माता सूरज सिंह ने पूरी टीम के साथ मिलकर पूजा का नेतृत्व किया, जो इस बात का संकेत है कि फिल्म के प्रमोशन की शुरुआत शुभ और सकारात्मक ऊर्जा के साथ की जा रही है. टीम ने सोशल मीडिया पर मंदिर दर्शन की झलकियां साझा करते हुए आस्था, कृतज्ञता और दोस्ती जैसे भावों को उजागर किया. यह यात्रा सिर्फ एक धार्मिक पड़ाव नहीं, बल्कि पूरी यूनिट के लिए आत्मचिंतन और एकजुटता का खास पल भी रही.

रश्मिका स्टारर फिल्म मैसा की पहली झलक रिलीज

दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानीमानी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की आने वाली फिल्म मैसा की पहली झलक रिलीज हो गई है.

फिल्म मैसा , जिसमें रश्मिका मंदाना नजर आने वाली हैं, अपनी शुरुआती झलकियों के सामने आने के बाद से ही हर तरफ चर्चा में बनी हुई है. धीरे-धीरे फिल्म को लेकर उत्सुकता इतनी बढ़ गई कि यह साल की सबसे ज्यादा चर्चित फिल्मों में शामिल हो गई. अब इस पूरे क्रेज के बीच फिल्म की पहली झलक आखिरकार सामने आ चुकी है.इस झलक में रश्मिका मंदाना अपने अब तक के सबसे खतरनाक और दमदार अवतार में नजर आ रही हैं, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है. दमदार ओपनिंग नैरेशन के साथ रश्मिका को मैसा के रूप में पेश किया गया है, वहीं जलते हुए जंगल के दृश्य और उसके साथ चलता जबरदस्त बैकग्राउंड स्कोर मिलकर एक बेहद तीव्र और प्रभावशाली माहौल रचते हैं.यह फिल्म एक हाई-ऑक्टेन इमोशनल एक्शन थ्रिलर होने का वादा करती है.

फिल्म 'लालो कृष्ण सदा सहायते' हिंदी में होगी रिलीज

गुजराती भाषा में बनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'लालो कृष्ण सदा सहायते' 09 जनवरी 2026 को हिंदी में रिलीज़ होगी. मैनिफेस्ट फ़िल्म्स द्वारा प्रस्तुत फ़िल्म 'लालो कृष्ण सदा सहायते' अजय पाडरिया और जय व्यास द्वारा निर्मित है,जबकि इसका निर्देशन अंकित सखिया ने किया है.

गुजराती बॉक्स ऑफिस पर सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करने और '100 करोड़ क्लब' में ऐतिहासिक पारी खेलने के बाद, 'लालो कृष्ण सदा सहायते' अब हिंदी में दर्शकों का दिल जीतने आ रही है. यह फिल्म 09 जनवरी 2026 को पूरे भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होगी. इस फिल्म की कहानी 'लालो' के इर्द-गिर्द घूमती है- एक आम रिक्शा चालक, जो न

केवल गरीबी से, बल्कि अपने अतीत की कड़वी यादों से भी लड़ रहा है. जब जीवन की परेशानियां उसे चारों ओर से घेर लेती हैं और उसका संसार बिखरने के कगार पर होता है, तभी एक चमत्कारिक मोड़ आता है और उसका सामना 'साक्षात ईश्वर' से होता है. इसके बाद शुरू होता है भावनाओं का एक ऐसा ज्वार, जहां भय और संदेह का सामना अटूट विश्वास और उम्मीद से होता है.

यह फिल्म महज एक कहानी नहीं, बल्कि लाला के मन और आत्मा की वह यात्रा है, जो दर्शकों को भी अपने भीतर झांकने पर मजबूर कर देगी. इस फिल्म में रिवा राच्छ, श्रुहद गोस्वामी और करण जोशी के साथ मिष्टी कडेचा, अंशु जोशी, किन्नल नायक, पारुल राज्यगुरू और जयदीप टीमानिया ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं.

दूसरों की मदद से दिमाग रहता है जवान

रिसर्च में बड़ा खुलासा

दूसरों की मदद करना केवल इंसानियत और सामाजिक रिश्तों को मजबूत करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आदत दिमागी सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद साबित हो सकती है.

हाल ही में आई एक अहम रिसर्च में यह खुलासा हुआ है कि जो लोग नियमित रूप से दूसरों की सहायता करते हैं, उनमें उम्र के साथ होने वाली मानसिक क्षमताओं की गिरावट काफी हद तक धीमी हो जाती है. यह अध्ययन दिमाग को लंबे समय तक सक्रिय और स्वस्थ बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत देता है. यह रिसर्च यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका के टेक्सास यूनिवर्सिटी एट ऑस्टिन और यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स बॉस्टन के वैज्ञानिकों द्वारा की गई. वैज्ञानिकों ने करीब 20 वर्षों तक 30,000 से अधिक वयस्कों के आंकड़ों का विश्लेषण किया. अध्ययन में पाया गया कि जो लोग पड़ोसियों, दोस्तों या रिश्तेदारों की नियमित रूप से मदद करते थे, उनमें संज्ञानात्मक गिरावट की रफ्तार 15 से 20 प्रतिशत तक कम देखी गई. रिसर्च के मुताबिक, मदद करने के लिए बहुत ज्यादा समय देना जरूरी नहीं है. सप्ताह में सिर्फ दो से चार घंटे की नियमित मदद भी दिमाग के लिए पर्याप्त लाभकारी साबित हुई.

व्हीलचेयर से अंतरिक्ष तक

ब्लू ओरिजिन की ऐतिहासिक उड़ान

अंतरिक्ष यात्रा के इतिहास में 20 दिसंबर 2025 का दिन एक नई मिसाल बनकर दर्ज हो गया, जब पहली बार एक व्हीलचेयर उपयोगकर्ता महिला अंतरिक्ष की सीमा तक पहुंची. अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस की अंतरिक्ष कंपनी ब्लू ओरिजिन ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की.

जर्मन एयरोस्पेस इंजीनियर माइकेला बेंटहाउस (मिची बेंटहाउस) न्यू शेपर्ड रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष की कार्मन लाइन (100 किलोमीटर ऊंचाई) को पार करने वाली पहली व्हीलचेयर यूजर बनीं. यह उड़ान अमेरिका के टेक्सास स्थित वेस्ट टेक्सास लॉन्च साइट से एनएस-37 मिशन के तहत हुई. लगभग 10 मिनट की इस सबऑर्बिटल उड़ान में कुल छह यात्री सवार थे. उड़ान के दौरान यात्रियों को कुछ मिनटों तक

भारहीनता (वेटलेसनेस) का अनुभव मिला और पृथ्वी का दुर्लभ व अद्भुत दृश्य देखने को मिला. यह मिशन न केवल तकनीकी दृष्टि से महत्वपूर्ण था, बल्कि सामाजिक समावेशन की दिशा में भी एक बड़ा कदम साबित हुआ. 33 वर्षीय माइकेला बेंटहाउस यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) में एयरोस्पेस और मेकाट्रॉनिक्स इंजीनियर हैं. वर्ष 2018 में माउंटेन बाइकिंग दुर्घटना के दौरान उनकी रीढ़ की हड्डी गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई, जिसके बाद वे पैराप्लेजिक हो गईं और व्हीलचेयर पर निर्भर हो गईं. हालांकि इस हादसे ने उनके शरीर को जरूर सीमित किया, लेकिन अंतरिक्ष में जाने का सपना नहीं तोड़ सका.

दुर्घटना के बाद माइकेला ने लिंक्डइन के जरिए पूर्व स्पेसएक्स इंजीनियर हांस कोएनिग्समैन से संपर्क किया. हांस ने न केवल उनके सपने को समझा, बल्कि ब्लू ओरिजिन के साथ मिलकर इस उड़ान को स्पॉन्सर भी किया. लैंडिंग के बाद माइकेला ने कहा कि यह उनके जीवन का सबसे शानदार अनुभव था और वह इस अवसर के लिए आभारी हैं.

ब्लू ओरिजिन का न्यू शेपर्ड कैप्सूल पहले से ही दिव्यांगों के अनुकूल डिजाइन किया गया है. लॉन्च टावर में लिफ्ट की सुविधा है. माइकेला के लिए विशेष ट्रांसफर बोर्ड जोड़ा गया, जिससे वे खुद व्हीलचेयर से कैप्सूल में जा सकीं. भारहीनता के दौरान पैरों को सुरक्षित रखने के लिए विशेष स्ट्रैप का उपयोग किया गया. लैंडिंग के बाद रिकवरी टीम ने तुरंत कार्पेट बिछाकर व्हीलचेयर उपलब्ध कराई. इस मिशन में हांस कोएनिग्समैन, जोई हाइड, एडोनिस पौरोलिस, जेसन स्टैंसेल और नील मिल्च भी शामिल थे.

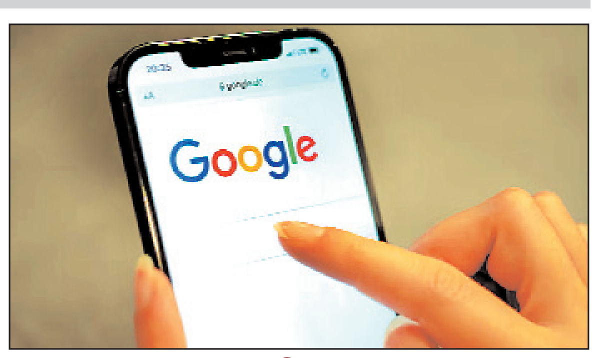

गूगल के नए एंटी-स्कैम टूल्स से मजबूत होगी ऑनलाइन सुरक्षा

डिजिटल दौर में जैसे-जैसे मोबाइल और इंटरनेट का इस्तेमाल बढ़ा है, वैसे-वैसे ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराध भी तेजी से बढ़े हैं. इसी चुनौती को देखते हुए गूगल ने इंडिया एआई प्री-समिट कार्यक्रम में भारत के लिए कई नए एंटी-स्कैम टूल्स और सुरक्षा फीचर्स की घोषणा की है. इनका मकसद आम यूजर्स को डिजिटल धोखाधड़ी से बचाना और डाटा सुरक्षा कानून को प्रभावी तरीके से लागू करना है.

गूगल ने साफ किया कि डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन कानून को जमीन पर उतारने के लिए अब खास तरह की प्राइवेसी बढ़ाने वाली तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा. इनमें फेडरेटेड लर्निंग, होमोमॉर्फिक एन्क्रिप्शन और डिफरेंशियल प्राइवेसी जैसी तकनीकें शामिल हैं. इन तकनीकों की मदद से यूजर का निजी डाटा सुरक्षित रहते हुए भी तकनीकी सिस्टम बेहतर तरीके से काम कर सकेगा. इसके लिए गूगल ने आईआईटी मद्रास के जिम्मेदार कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र जैसे संस्थानों के साथ साझेदारी बढ़ाने की बात कही है.

भारत में तेजी से बढ़ रहे डिजिटल अरेस्ट स्कैम को रोकने के लिए भी गूगल ने नया अलर्ट सिस्टम तैयार किया है. एंड्रॉयड ग्यारह या उससे ऊपर वाले मोबाइल में अगर कोई यूजर स्क्रीन शेयर करता है और सामने वाला अनजान व्यक्ति होता है, तो स्क्रीन पर बड़ा चेतावनी संदेश दिखाई देगा. इसमें कॉल काटने या स्क्रीन शेयर बंद करने का एक-टच विकल्प होगा. यह फीचर गूगल प्ले, नावी और पेटीएम जैसे फिनटेक भागीदारों के साथ मिलकर बनाया गया है.

गूगल की मौजूदा उपलब्धियों की बात करें तो गूगल पे हर हफ्ते लाखों फ्रॉड अलर्ट दिखा रहा है और गूगल प्ले प्रोटेक्ट करोड़ों संदिग्ध एप को पहले ही ब्लॉक कर चुका है. कुल मिलाकर, गूगल के ये नए कदम भारत में डिजिटल सुरक्षा को एक नई मजबूती देने वाले साबित हो सकते हैं.

11 इंच स्क्रीन और 7000 एमएएच बैटरी वाला टैबलेट लॉन्च

मोबाइल और किफायती डिजिटल डिवाइस बनाने वाली कंपनी आइटेल ने भारतीय बाजार में अपना नया टैबलेट विस्टाटैब 30 लॉन्च कर दिया है. यह टैबलेट खासतौर पर उन यूजर्स को ध्यान में रखकर पेश किया गया है, जो बड़ी स्क्रीन, लंबी बैटरी लाइफ और आधुनिक फीचर्स को किफायती कीमत में चाहते हैं. पढ़ाई, ऑनलाइन क्लास, वीडियो देखने और रोजमर्रा के कामों के लिए यह टैबलेट एक मजबूत विकल्प माना जा रहा है.

आइटेल विस्टाटैब 30 में 11 इंच का एफएचडी प्लस डिस्प्ले दिया गया है, जिसकी पीक ब्राइटनेस 450 निट्स तक है. बड़ी स्क्रीन की वजह से ई-बुक पढ़ना, फिल्में देखना और ऑनलाइन मीटिंग करना

ज्यादा आरामदायक हो जाता है. टैबलेट में डुअल स्पीकर सिस्टम दिया गया है, जिससे ऑडियो अनुभव बेहतर मिलता है. कैमरे की बात करें तो इसमें 8 मेगापिक्सल का रियर कैमरा और 5 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा मौजूद है, जो वीडियो कॉल और ऑनलाइन क्लास के लिए पर्याप्त है.

परफॉर्मेंस के लिहाज से टैबलेट में यूनिसॉक टी 606 ऑक्टा-कोर प्रोसेसर दिया गया है. इसके साथ 12 जीबी रैम का सपोर्ट मिलता है, जिसमें 4 जीबी फिजिकल रैम और 8 जीबी एक्सटेंडेड रैम शामिल है. स्टोरेज के लिए टैबलेट में 128 जीबी इंटरनल मेमोरी दी गई है, जिससे यूजर्स को ऐप्स, वीडियो और डॉक्यूमेंट स्टोर करने में परेशानी नहीं होगी.

यह टैबलेट एंड्रॉयड 13 ऑपरेटिंग सिस्टम पर काम करता है. बैटरी के मामले में आइटेल विस्टाटैब 30 की सबसे बड़ी खासियत इसकी 7000 एमएएच की बैटरी है, जो लंबे समय तक इस्तेमाल की सुविधा देती है. इसके साथ 10 वॉट चार्जर दिया गया है. कनेक्टिविटी के लिए टैबलेट में सेलुलर और वाई-फाई सपोर्ट मिलता है. इसके अलावा यह मल्टी-स्क्रीन कोलैबोरेशन फीचर को भी सपोर्ट करता है.

कीमत की बात करें तो आइटेल विस्टाटैब 30 की शुरुआती कीमत 11,999 रुपये रखी गई है. यह टैबलेट स्पेस ग्रे और स्काई ब्लू रंगों में उपलब्ध है. कंपनी की ओर से लॉन्च ऑफर के तहत टैबलेट के साथ 1,000 रुपये का लेदर बैक कवर मुफ्त दिया जा रहा है. कुल मिलाकर, बड़ी स्क्रीन, दमदार बैटरी और एआई फीचर्स के साथ आइटेल विस्टाटैब 30 बजट सेगमेंट में एक मजबूत और आकर्षक टैबलेट विकल्प बनकर सामने आया है.